सीएसए में आयोजित अंतरराष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन में बोले एम्स से आए फॉरेंसिक मेडिसिन विभाग के डॉक्टर

फॉरेंसिक एक्सपर्ट बढ़ें तो समय पर मिलेगी रिपोर्ट : डॉ. भारद्वाज

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। देश में फॉरेंसिक विशेषज्ञ की कमी है, इनकी संख्या में इजाफा होना चाहिए। इससे समय पर रिपोर्ट मिल सकेगी और मरीजों की जान बच सकेगी। इसके साथ ही आपराधिक मामलों की जांच में भी काफी मदद होगी।

यह बातें चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में चल रहे दो दिवसीय 12वें अंतरराष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन के समापन अवसर पर एम्स से आए फॉरेंसिक मेडिसिन विभाग के डॉ. डीएन भारद्वाज ने कहीं। उन्होंने कहा कि पहले से अब में फॉरेंसिक की जांच में फर्क आया है। कुछ एक्सपर्ट और लैब बढ़ी हैं, लेकिन केस के मुकाबले संख्या काफी कम है।

सीएसए में 12वीं अंतरराष्ट्रीय साइंस कांग्रेस में प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र देते अतिथि। स्रोत: संस्थान

बताया कि पहले तो तीन-तीन साल में रिपोर्ट आ पाती थी, अब यह समय घटकर अधिकतम छह महीने हो गया है। डॉ. भारद्वाज ने कहा छह महीने के समय को भी और कम करना है। नई तकनीक की मदद से अब कम टिश्यू में पूरी जांच हो सकती है। बताया कि घटना के दौरान फॉरेंसिक की टीम के लिए सबसे बड़ी चुनौती जलवायु होती है। उनके साथ आए टॉक्सिकोलॉजी विभाग के डॉ. एके जायसवाल ने कहा कि पहले जहां जहर खाए मरीज का केस आने पर उसके लक्षण देखकर इलाज होता था। कौन सा जहर खाया है, इसकी टेस्ट रिपोर्ट आने में समय लग जाता था, अब दो घंटे से दो दिन के भीतर रिपोर्ट आ जाती है।

सम्मेलन में चित्तौड़गढ़ से आए 32 बच्चों के साथ शिक्षक भी मौजूद रहे। इस दौरान युवा शोधार्थियों ने लगभग 90 पोस्टर प्रस्तुत किए। अंतरराष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन में देश भर से करीब 18 राज्यों के वैज्ञानिकों ने हिस्सा लिया। वहीं, नेपाल के त्रिभुवन विश्वविद्यालय से आए वैज्ञानिक डॉक्टर सुशीला डी श्रेष्ठा ने अपने शोध पत्र साझा किए। उनके शोध पत्र बेस्ट प्रैक्टिसेज की सफलता पर उन्हें युवा सम्मान से भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह के सहयोग से एक नॉलेज सीरीज प्लेटफार्म विकसित करने पर भी पहल की गई। वहीं, डॉ. एनके शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में 140 मौखिक प्रस्तुतीकरण, सात आमंत्रित व्याख्यान हुए।

गुलमोहर की पत्तियों से बनाया मछलियों का सस्ता चारा

सीएसए कृषि एवं अनुसंधान विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन में विज्ञानियों ने शोध-अनुसंधानों की दी जानकारी

जास, कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कैलाश भवन सभागार में आयोजित दो दिवसीय 12वें अंतरराष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन के अंतिम दिन सोमवार को नेपाल की कृषि विज्ञानी डा. सुशीला श्रेष्ठा को शोध के लिए युवा सम्मान दिया गया। तकनीकी सत्र में मत्स्य विज्ञानी डा. आशुतोष लौवंशी ने बताया कि गुलमोहर की पत्तियों से मछलियों का सस्ता चारा तैयार किया जा सकता है जिसमें अधिक प्रोटीन है। इससे मछली उत्पादन बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

सीएसए के मत्स्य विज्ञान एवं शोध केंद्र इटावा के अतिथि शिक्षक डा. आशुतोष लौवंशी ने बताया कि मछलियों के चारे के तौर पर अभी विभिन्न फलियों के छिलकों का प्रयोग किया जा रहा है जो महंगा है। मछली पालन में 60 प्रतिशत से भी ज्यादा लागत चारे की है। गुलमोहर की पत्ती प्रोटीन का अच्छा स्रोत है और इसे मछली की वृद्धि और प्रतिरक्षा बढ़ाने के लिए फीड सामग्री के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे तैयार चारा 12 से 15 रुपये प्रति किलो तक सस्ता है। गुलमोहर की पत्तियां अभी बेकार मानकर फेंक दी जाती हैं लेकिन इनका चारे में प्रयोग करने से मछलियों की उत्पादन लागत घटाई जा सकती है।

फोरेंसिक जांच से जहरखुरानी बचाव मुमकिन

एम्स दिल्ली के वरिष्ठ फोरेंसिक चिकित्सक डा. डीएम भारद्वाज और ठाक्सीलाजी विशेषज्ञ डा. एके जायसवाल ने बताया कि फोरेंसिक विशेषज्ञों की मदद से उन लोगों की जान बचाई जा सकती है जो जहरीला पदार्थ धोखे से खा लेते हैं अथवा आत्महत्या के लिए प्रयोग करते हैं। फोरेंसिक लैब में विषाक्तता की जांच रिपोर्ट दो से 24 घंटे में पाई जा सकती है। इससे जहर का निवारण करना आसान हो जाएगा। जहरखुरानों के शिकार लोगों को बचाने में इसका प्रयोग रामबाण साबित होगा। डा. भारद्वाज ने बताया कि फोरेंसिक तकनीक और सुविधा दोनों में बड़ा बदलाव आया है। पहले फोरेंसिक की रिपोर्ट तीन साल में आती थी, जो अब छह माह में मिलने लगी है। अब एक टिशू से भी जांच की जा सकती है। अगर जांच सुविधाओं को बढ़ाया जाए तो इसके लाभ ज्यादा लोगों को मिल सकेंगे।

सीएसए के कैलाश भवन में आयोजित अंतरराष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन सम्मानित किए गए छात्र-छात्रा व शोधार्थियों के साथ नेपाल के त्रिभुवन विश्वविद्यालय काठमांडू की डा. सुशीला डी श्रेष्ठा (दूसरी पंक्ति में बाएं से पांचवीं) व अन्य कृषि विज्ञानी • जागरण

- नेपाल की डा. सुशीला श्रेष्ठा को शोध के लिए मिला युवा सम्मान
- सम्मेलन में युवा शोधार्थी भी हुए शामिल, प्रस्तुत किए पोस्टर

60% से भी ज्यादा लागत मछली पालन में चारे की है।

02 से 24 घंटे में फोरेंसिक लैब में विषाक्तता की जांच रिपोर्ट पाई जा सकती है

सम्मेलन में 90 पोस्टर और 140 मौखिक प्रस्तुति हुई

सम्मेलन में युवा शोधार्थियों ने लगभग 90 पोस्टर प्रस्तुत किए और 18 राज्यों के विज्ञानी शामिल हुए। नेपाल के त्रिभुवन विश्वविद्यालय की विज्ञानी डा. सुशीला डी श्रेष्ठा ने बेस्ट प्रैक्टिसेज संबंधी अपना शोध पत्र साझा किया। उन्हें युवा सम्मान देकर सम्मानित भी किया गया। आयोजक डा. एनके शर्मा ने बताया कि कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह की मदद से एक नालेज सीरीज प्लेटफार्म विकसित करने की पहल सीएसए ने की है। डा. खलील खान ने बताया कि सम्मेलन में 140 मौखिक प्रस्तुतीकरण, सात आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किए गया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

एक नजर में

हिंदुस्तान 10/12/2024

'देश में फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स की बढ़े संख्या'

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या या धोखे में खाने से हर साल हजारों जान जाती है। अगर देश में फॉरेंसिक एक्सपर्ट पर्याप्त मात्रा में हों और टॉक्सिन के लिए लैब हो तो इनमें अधिकांश जान बच सकती है। यह बात एम्स दिल्ली के वरिष्ठ फॉरेंसिक चिकित्सक डॉ. चित्तर भारद्वाज और टॉक्सिकोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. एके जायसवाल ने कही। उन्होंने बताया कि पर्याप्त मात्रा में लैब होने पर टॉक्सिकोलॉजिस्ट टॉक्सिन का दो से 24 घंटे में पता कर सकते हैं कि जहर किस प्रकार का है, जिससे इलाज में मदद मिलेगी। वहीं, अपराध के मामले में जहर की जानकारी जल्द मिलने लंबित मामलों का निस्तारण संभव होगा। अभी रिपोर्ट आने तक आरोपी कभी-कभी निर्दोष होने के बावजूद जेल में रहता है। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में चल रहे 12वें अंतर्राष्ट्रीय फॉरेंसिक साइंस सम्मेलन का सोमवार को समापन हुआ। इसमें देश नहीं बल्कि विदेश से भी वैज्ञानिकों ने हिस्सा लिया। इस सम्मेलन में कृषि के अलावा चिकित्सा, इंजीनियरिंग समेत विज्ञान की हर विधा के विशेषज्ञों को शामिल किया गया। एम्स से आए डॉ. भारद्वाज ने कहा कि फॉरेंसिक की तकनीक और सुविधा दोनों में बड़ा बदलाव आया है। अब एक्सपर्ट के साथ लैब की संख्या में इजाफा हुआ है। पहले फॉरेंसिक की रिपोर्ट तीन साल में आती थी, जो अब छह माह में आ जाती है। अब एक टिशू से भी जांच हो सकती है। अब भी फॉरेंसिक के लिए वातावरण बड़ी चुनौती है। सम्मेलन में युवा शोधार्थियों ने लगभग 90 पोस्टर प्रस्तुत किए। सम्मेलन में देश के लगभग 18 राज्यों के वैज्ञानिकों ने हिस्सा लिया। नेपाल के त्रिभुवन विश्वविद्यालय से वैज्ञानिक डॉ. सुनीता श्री वैद्य ने अपना शोध पत्र साझा किए।

डॉ. एसके शर्मा ने बताया कि कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह की मदद से एक नॉवेल केमिकल फोटोकार्ब विकसित करने की विधि ने पहल की है। डॉ. खलील खान ने बताया, सम्मेलन में 140 मौखिक प्रस्तुतीकरण, 7 आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। सभी को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

सोमवार सीएसए में अंतर्राष्ट्रीय फॉरेंसिक साइंस सम्मेलन में मेधावियों का हुआ सम्मान।

छात्रों को रिसर्च के लिए प्रेरित कर रहे यासीन

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में हिस्सा लेने राजस्थान के चित्तौड़गढ़ के स्कूली छात्र-छात्राएं आए थे। इन छात्रों को मेवाड़ से शिक्षक मो. यासीन, मेहा, डॉ. नाजनीन, डॉ. हिमानी जैन, यादव व मो. साहिल लेकर आए थे। मो. यासीन ने बताया कि रिसर्च के प्रति छात्रों को प्रेरित करने के लिए वह काफी समय से प्रयास किया जा रहा है। सभी शिक्षक अपने खर्च पर इन छात्रों को विभिन्न राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में लेकर जाते हैं और वर्तमान रिसर्च से अवगत कराते हैं।

दैनिक जागरण 10/12/2024

फॉरेंसिक से जहरखुरानी पर जान बचानी मुमकिन

नेपाल की डॉ. सुशीला श्रेष्ठा को रिसर्च के लिए मिला युवा सम्मान

kanpur@inext.co.in

KANPUR (9 Dec): फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स की मदद से उन लोगों की जान बचाई जा सकती है जो जहरीला पदार्थ धोखे से खा लेते हैं. अथवा आत्महत्या के लिए प्रयोग करते हैं. यह जानकारी एम्स दिल्ली के वरिष्ठ फॉरेंसिक चिकित्सक डॉ. डीएम भारद्वाज और टाक्सीलाजी एक्सपर्ट डॉ. एके जायसवाल ने दी. वह सीएसए यूनिवर्सिटी में आयोजित दो दिवसीय 12वें इंटरनेशनल साइंस सम्मेलन में शामिल होने आए थे.

2 से 24 घंटे के अंदर रिपोर्ट

लैब में विषाक्तता की जांच रिपोर्ट दो से 24 घंटे में पाई जा सकती है. इससे जहर का इलाज करना आसान हो जाएगा. जहरखुरानों के शिकार लोगों को बचाने में इसका प्रयोग रामबाण साबित होगा. डॉ. भारद्वाज ने बताया कि फोरेंसिक तकनीक और सुविधा दोनों में बड़ा बदलाव आया है. पहले फोरेंसिक की रिपोर्ट तीन साल में आती थी, जो अब छह माह में मिलने लगी है.

पत्तियों से बनाया मछलियों का भोजन

मंडे को नेपाल की साइंटिस्ट डॉ. सुशीला श्रेष्ठा को रिसर्च के लिए युवा सम्मान दिया गया. टेक्नोलॉजी सेशन में मत्स्य विज्ञानी डॉ. आशुतोष लौवंशी ने बताया कि मछलियों के चारे के तौर पर अभी विभिन्न फलियों के छिलकों का प्रयोग किया जा रहा है जो महंगा है. मछली पालन में 60 प्रतिशत से भी ज्यादा लागत चारे की है. गुलमोहर की पत्ती प्रोटीन का अच्छा स्रोत है और इसे मछली की वृद्धि और प्रतिरक्षा बढ़ाने के लिए फ़ीड सामग्री के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है.

आज महानगर

अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन में हुई वैश्विक शोध पर विशेष चर्चा

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 9 दिसम्बर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कैलाश भवन के सभागार में दो दिवसीय 12वीं अंतरराष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के गांधी हाल में युवा शोधार्थियों ने लगभग 90 पोस्टर प्रस्तुत किए। आज कार्यक्रम में 140 मौखिक प्रस्तुतीकरण, 07 आमंत्रित व्याख्यान और दो की नोट व्याख्यान का प्रस्तुतिकरण किया गया। इस अंतरराष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन में देश से लगभग 18 राज्यों के वैज्ञानिक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी शामिल हुए। समापन के दौरान कार्यक्रम में नेपाल के त्रिभुवन विश्वविद्यालय से वैज्ञानिक डॉ सुशीला डी श्रेष्ठा ने मुख्य विषय पर अपने शोध पत्र साझा करते हुए उनके द्वारा अपनाई जा रही बेस्ट प्रैक्टिसेज का प्रस्तुतीकरण किया तथा उनकी बेस्ट प्रैक्टिसेज की सफलता पर उन्हें युवा सम्मान से भी सम्मानित किया गया। सम्मेलन के संयोजक ने बताया कि कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के सहयोग से एक नॉलेज सीरीज प्लेटफार्म विकसित करने के लिए विश्वविद्यालय ने पहल की है। इसी कड़ी में पिछले माह साउथ अफ्रीका में आयोजित जलीय कृषि विषय पर प्रतिभाग करते हुए विभिन्न जानकारी प्राप्त हुई है जिसका लाभ विश्वविद्यालय को अवश्य मिलेगा। साथ ही इस सम्मेलन में प्राप्त निष्कर्ष के आधार पर वैश्विक शोध का उपयोग समाज की संपन्नता प्राप्त करने के लिए सहायक होगा। इस अवसर पर डॉ एन के शर्मा ने समस्त आयोजन समिति के सदस्यों एवं विश्वविद्यालय के कुलपति का आभार व्यक्त किया और अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन की ओर से सभी शुभकामनायें दी।

कार्यक्रम में शामिल शोधार्थी व शिक्षक।

अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन में हुई वैश्विक शोध पर विशेष चर्चा

रहस्य संदेश ब्यूरो

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में हो रही दो दिवसीय 12वीं अंतरराष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के गांधी हाल में युवा शोधार्थियों द्वारा लगभग 90 पोस्टर प्रस्तुत किए गए। यहां पर यह भी उल्लेखनीय है कि इस अंतरराष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन में देश से लगभग 18 राज्यों के वैज्ञानिकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। जबकि कि प्रमुख रूप से नेपाल के त्रिभुवन विश्वविद्यालय से वैज्ञानिक डॉक्टर सुशीला डी श्रेष्ठा ने भी प्रतिभाग कर मुख्य विषय पर अपने शोध पत्र साझा करते हुए उनके द्वारा अपनाई जा रही, बेस्ट प्रैक्टिसेज का प्रस्तुतीकरण किया गया। तथा उनकी बेस्ट प्रैक्टिसेज की सफलता पर उन्हें युवा सम्मान से भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सम्मेलन के संयोजक ने अवगत कराया कि कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के सहयोग से एक नॉलेज सीरीज प्लेटफार्म विकसित करने के लिए

विश्वविद्यालय ने पहन की है। इसी कड़ी में पिछले माह साउथ अफ्रीका में आयोजित जलीय कृषि विषय पर प्रतिभाग करते हुए, विभिन्न जानकारी प्राप्त हुई है जिसका लाभ विश्वविद्यालय को अवश्य मिलेगा साथ ही इस सम्मेलन में प्राप्त निष्कर्ष के आधार पर वैश्विक शोध का उपयोग समाज की संपन्नता प्राप्त करने के लिए सहायक होगा। इस अवसर पर डॉक्टर एनके शर्मा ने समस्त आयोजन समिति के सदस्यों एवं विश्वविद्यालय के कुलपति का आभार व्यक्त करते हुए उनको अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन की तरफ से बधाई प्रेषित की। उन्होंने बताया कि आज कार्यक्रम में 140 मौखिक प्रस्तुतीकरण, 07 आमंत्रित व्याख्यान जबकि दो की नोट व्याख्यान का प्रस्तुतिकरण किया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन में हुई वैश्विक शोध पर विशेष चर्चा

खरी कसौटी

ब्यूरो

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में हो रही दो दिवसीय 12वीं अंतरराष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन के समापन अवसर पर सोमवार को विश्वविद्यालय के गांधी हाल में युवा शोधार्थियों द्वारा लगभग 90 पोस्टर प्रस्तुत किए गए। यहां पर यह भी उल्लेखनीय है कि इस अंतरराष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन में देश से लगभग 18 राज्यों के वैज्ञानिकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। जबकि प्रमुख रूप से नेपाल के त्रिभुवन विश्वविद्यालय से वैज्ञानिक डॉक्टर सुशीला डी.श्रेष्ठा ने प्रतिभाग कर मुख्य विषय पर अपने शोध पत्र साझा करते हुए उनके द्वारा अपनाई जा रही, बेस्ट प्रैक्टिसेज का प्रस्तुतीकरण किया गया। उन्हे उनकी बेस्ट प्रैक्टिसेज की सफलता पर युवा सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सम्मेलन के संयोजक ने अवगत कराया कि कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के सहयोग से एक नॉलेज सीरीज प्लेटफार्म विकसित करने के लिए विश्वविद्यालय ने पहल की है। जिसके क्रम में पिछले माह साउथ अफ्रीका में आयोजित जलीय कृषि विषय पर प्रतिभाग करते हुए, विभिन्न जानकारी प्राप्त हुई है जिसका लाभ विश्वविद्यालय को मिलेगा वही इस सम्मेलन में प्राप्त निष्कर्ष के आधार पर वैश्विक शोध का उपयोग समाज की संपन्नता प्राप्त करने के लिए सहायक होगा। इस अवसर पर डॉक्टर एन.के.शर्मा ने सभी आयोजन समिति के सदस्यों एवं विश्वविद्यालय के कुलपति का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन की तरफ से बधाई प्रेषित की। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में 140 मौखिक प्रस्तुतीकरण, 07 आमंत्रित व्याख्यान जबकि दो की नोट व्याख्यान का प्रस्तुतिकरण किया गया है।

वर्ष-18 अंक-45 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, मंगलवार 10 दिसम्बर 2024

कानपुर से प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात, औरैया में प्रसारित

दैनिक
नगर छाया
आप की आवाज़.....

RNI No.- UPHIN/2007/27090

www.nagarchhaya.com 7

मौके का फायदा नहीं उठा पाए और गेम हार गए

विज्ञान सम्मेलन में हुई वैश्विक शोध पर विशेष चर्चा

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में हो रही दो दिवसीय 12वीं अंतरराष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के गांधी हाल में युवा शोधार्थियों द्वारा लगभग 90 पोस्टर प्रस्तुत किए गए। यहां पर यह भी उल्लेखनीय है कि इस अंतरराष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन में देश से लगभग 18 राज्यों के वैज्ञानिकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। जबकि कि प्रमुख रूप से नेपाल के त्रिभुवन विश्वविद्यालय से वैज्ञानिक डॉक्टर सुशीला डी श्रेष्ठा ने भी प्रतिभाग कर मुख्य विषय पर अपने शोध पत्र साझा करते हुए उनके द्वारा अपनाई जा रही, बेस्ट प्रैक्टिसेज का प्रस्तुतीकरण किया गया। तथा उनकी बेस्ट प्रैक्टिसेज की सफलता पर उन्हें युवा सम्मान से भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सम्मेलन के संयोजक ने अवगत कराया कि कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के सहयोग से एक नॉलेज सीरीज प्लेटफार्म विकसित करने के लिए विश्वविद्यालय ने पहन की है। इसी कड़ी में पिछले माह साउथ अफ्रीका में आयोजित जलीय कृषि विषय पर प्रतिभाग करते हुए, विभिन्न जानकारी प्राप्त हुई है जिसका लाभ विश्वविद्यालय को अवश्य मिलेगा साथ ही इस सम्मेलन में प्राप्त निष्कर्ष के आधार पर वैश्विक शोध का उपयोग समाज की संपन्नता प्राप्त करने के लिए सहायक होगा। इस अवसर पर डॉक्टर एनके शर्मा ने समस्त आयोजन समिति के सदस्यों एवं विश्वविद्यालय के कुलपति का आभार व्यक्त करते हुए उनको अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन की तरफ से बधाई प्रेषित की। उन्होंने बताया कि आज कार्यक्रम में 140 मौखिक प्रस्तुतीकरण, 07 आमंत्रित व्याख्यान जबकि दो की नोट व्याख्यान का प्रस्तुतिकरण किया गया है।

राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • मंगलवार • 10 दिसम्बर • 2024

अंतरराष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन में हुई वैश्विक शोध पर विशेष चर्चा

सीएसए में विज्ञान सम्मेलन में छात्राओं को प्रमाण पत्र देते। फोटो : एसएनबी

कानपुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में हो रहे दो दिवसीय 12वीं अंतरराष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के गांधी हॉल में युवा शोधार्थियों द्वारा लगभग 90 पोस्टर प्रस्तुत किए गए। इस अंतरराष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन में देश में लगभग 18 राज्यों के वैज्ञानिकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। प्रमुख रूप से नेपाल के त्रिभुवन विश्वविद्यालय की वैज्ञानिक डॉ. सुशीला सी. थेपा ने भी प्रतिभाग कर मुख्य विषय पर अपने शोध पत्र साझा करते हुए उनके द्वारा अपनाई जा रही बेस्ट प्रैक्टिसेज का प्रस्तुतीकरण किया। उन्हें युवा सम्मान से भी सम्मानित किया गया।

> नेपाल की वैज्ञानिक को युवा सम्मान से नवाजा गया

इस अवसर पर सम्मेलन के संयोजक ने अवगत कराया कि कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह के सहयोग से एक नॉलेज शेयरिंग प्लेटफॉर्म विकसित करने के लिए विश्वविद्यालय ने पहल की है। इसी कड़ी में पिछले माह साउथ अफ्रीका में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कृषि विषय पर प्रतिभाग करते हुए विभिन्न जानकारी प्राप्त हुई है, जिसका लाभ विश्वविद्यालय को अवश्य मिलेगा साथ ही इस सम्मेलन में प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर वैश्विक शोध का उपयोग समाज को संपन्नता प्रदान करने के लिए सहायक होगा। इस अवसर पर डॉ. एसके शर्मा ने समस्त आयोजन समिति के सदस्यों एवं विश्वविद्यालय के कुलपति का आभार व्यक्त करते हुए उनको अंतरराष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन की तरफ से बधाई प्रेषित की।

उन्होंने बताया कि आज कार्यक्रम में 140 मौखिक प्रस्तुतीकरण, 07 आमंत्रित व्याख्यान जबकि दो की नोट व्याख्यान का प्रस्तुतीकरण किया गया है।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्षः 16 अंक : 169 कानपुर, मंगलवार 10 दिसम्बर 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्यः 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन में वैश्विक शोध पर विशेष चर्चा

कानपुर । सीएसए में हो रही दो दिवसीय 12वीं अंतरराष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के गांधी हाल में युवा शोधार्थियों द्वारा लगभग 90 पोस्टर प्रस्तुत किए गए। यहां पर यह भी उल्लेखनीय है कि इस अंतरराष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन में देश से लगभग 18 राज्यों के वैज्ञानिकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। जबकि कि प्रमुख रूप से नेपाल के त्रिभुवन विश्वविद्यालय से वैज्ञानिक डॉक्टर सुशीला डी श्रेष्ठ ने भी प्रतिभाग कर मुख्य विषय पर अपने शोध पत्र साझा करते हुए उनके द्वारा अपनाई जा रही, बेस्ट प्रैक्टिसेज का प्रस्तुतीकरण किया गया। तथा उनकी बेस्ट प्रैक्टिसेज की सफलता पर उन्हें युवा सम्मान से भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सम्मेलन के संयोजक ने अवगत कराया कि कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के सहयोग से एक नॉलेज सीरीज प्लेटफार्म विकसित करने के लिए विश्वविद्यालय ने पहल की है। इसी कड़ी में पिछले माह साउथ अफ्रीका में आयोजित जलीय कृषि विषय पर प्रतिभाग करते हुए, विभिन्न जानकारी प्राप्त हुई है जिसका लाभ विश्वविद्यालय को अवश्य मिलेगा साथ ही इस सम्मेलन में प्राप्त निष्कर्ष के आधार पर वैश्विक शोध का उपयोग समाज की संपन्नता प्राप्त करने के लिए सहायक होगा। इस अवसर पर डॉक्टर एनके शर्मा ने समस्त आयोजन समिति के सदस्यों एवं विश्वविद्यालय के कुलपति का आभार व्यक्त करते हुए उनको अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन की तरफ से बधाई प्रेषित की। उन्होंने बताया कि आज कार्यक्रम में 140 मौखिक प्रस्तुतीकरण, 07 आमंत्रित व्याख्यान जबकि दो की नोट व्याख्यान का प्रस्तुतिकरण किया गया है।

DT दीनार टाइम्स

वैज्ञानिक वैश्विक परिदृश्य में अच्छा शोध करें तो समाज का कल्याण होगा

डीटीएनएन। कानपुर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कैलाश भवन सभागार में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह की अध्यक्षता में दो दिवसीय 12वीं अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन का उद्घाटन हुआ। इस कार्यक्रम में सदस्य लोक सेवा आयोग उत्तर प्रदेश डॉक्टर एके वर्मा बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि अपने संबोधन में वैश्विक शोध की को साझा करते हुए बताया कि शोध में ऐसा नवाचार होना चाहिए जिससे कि वैश्विक समाज को विज्ञान की महत्वपूर्ण लाभ प्राप्त हो सके। मुख्य अतिथि ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि जैव विविधता को संरक्षित करते हुए वैज्ञानिक वैश्विक परिदृश्य में अच्छा शोध करें तो निश्चित तौर पर समाज का कल्याण होगा। इस अवसर पर सेवीनियर कवर का विमोचन किया गया है। कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में फसलों की उत्पादकता के साथ-साथ भंडारण की आवश्यकता पर विशेष बल दिया और कहा कि विज्ञान एवं तकनीकी को अपनाकर भारत को प्रथम पायदान पर खड़ा किया जा सकता है। इस अवसर पर कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि डॉक्टर सुशीला डी श्रेष्ठा त्रिभुवन विश्वविद्यालय काठमांडू नेपाल एवं विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डॉ पी के सिंह, कॉन्फ्रेंस कोऑर्डिनेटर डॉक्टर दीपक शर्मा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉक्टर मुनीश कुमार ने भी संगोष्ठी के प्रमुख विषयों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर तकनीकी सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने फ्रग्लोबल रिसर्च फॉर बेटर टुमारोफ्रविषय पर अपना की नोट व्याख्यान प्रस्तुत किया। साथ ही छत्रपति साहू जी विश्वविद्यालय कानपुर के डॉक्टर निशा शर्मा ने मेडिसिनल प्लांट पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। इन दो दिनों तक पांच सत्रों में विभिन्न विषयों पर वैज्ञानिक मंथन करते हुए आवश्यक रूप से आने वाली चुनौतियों का समाधान पर चर्चा करेंगे।इस अवसर पर डॉक्टर अशोक कुमार जायसवाल एवं डॉक्टर गोकुल बोरसे को अंतरराष्ट्रीय बेस्ट रिसर्च अवॉर्ड एवं अंतर्राष्ट्रीय बेस्ट टीचर अवार्ड (डॉ विमुक्त शर्मा अवार्ड) से सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर आयोजन समिति के सचिव सदस्य एवं विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक, प्रोफेसर एवं देश-विदेश से आए वैज्ञानिक छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

वर्ष : 16 अंक : 333 लखनऊ मंगलवार, 10 दिसंबर 2024 पृष्ठ : 12, मूल्य: ₹4/-

मौसम

विश्ववार्ता

www.vishwavarta.com

सच्ची ख़बर, पैनी नज़र

नगर संस्करण

सीएसए के अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन में वैश्विक शोध पर चर्चा

विश्ववार्ता संवाददाता

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में हो रहे दो दिवसीय 12वें अंतरराष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के गांधी हाल में युवा शोधार्थियों द्वारा लगभग 90 पोस्टर प्रस्तुत किए गए।

इस अंतरराष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन में देश के लगभग 18 राज्यों के वैज्ञानिकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इनमें प्रमुख रूप से नेपाल के त्रिभुवन विश्वविद्यालय की वैज्ञानिक डॉ. सुशीला डी श्रेष्ठा ने भी प्रतिभाग करके मुख्य विषय पर अपने शोध पत्र साझा करते हुए उनके द्वारा अपनाई जा

रही बेस्ट प्रैक्टिसेज का प्रस्तुतीकरण किया, उनकी बेस्ट प्रैक्टिसेज की सफलता पर उन्हें युवा सम्मान से भी सम्मानित किया गया।

सम्मेलन के संयोजक डॉ. एनके शर्मा ने अवगत कराया कि कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह के सहयोग से एक नॉलेज सीरीज प्लेटफार्म विकसित करने के लिए विश्वविद्यालय ने पहन की है। इसी कड़ी में पिछले माह साउथ अफ्रीका में आयोजित जलीय कृषि विषय पर प्रतिभाग करते हुए जानकारी प्राप्त हुई जिसका लाभ विश्वविद्यालय को अवश्य मिलेगा।

इस सम्मेलन में प्राप्त निष्कर्ष के आधार पर वैश्विक शोध का उपयोग समाज की संपन्नता प्राप्त करने के लिए सहायक होगा।इस अवसर पर डॉ. एनके शर्मा ने समस्त आयोजन समिति के सदस्यों एवं विश्वविद्यालय के कुलपति का आभार व्यक्त करते हुए उनको इस अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन के सफल आयोजन पर बधाई दी।

कानपुर से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

सदैव सच के साथ...

समाज का साथी

310 || वर्ष: 10 || पृष्ठ: 4 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || मंगलवार || 10 नवंबर 2024

अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन में वैश्विक शोध पर विशेष चर्चा

» समाज का साथी

कानपुर। सीएसए में हो रही दो दिवसीय 12वीं अंतरराष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के गांधी हाल में युवा शोधार्थियों द्वारा लगभग 90 पोस्टर प्रस्तुत किए गए। यहां पर यह भी उल्लेखनीय है कि इस अंतरराष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन में देश से लगभग 18 राज्यों के वैज्ञानिकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। जबकि कि प्रमुख रूप से नेपाल के त्रिभुवन विश्वविद्यालय से वैज्ञानिक डॉक्टर सुशीला डी श्रेष्ठा ने भी प्रतिभाग कर मुख्य विषय पर अपने शोध पत्र साझा करते हुए उनके द्वारा अपनाई जा रही, बेस्ट प्रैक्टिसेज का प्रस्तुतीकरण किया गया। तथा उनकी बेस्ट प्रैक्टिसेज की सफलता पर उन्हें युवा सम्मान से भी सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर सम्मेलन के संयोजक ने अवगत कराया कि कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के सहयोग से एक नॉलेज सीरीज प्लेटफार्म विकसित करने के लिए विश्वविद्यालय ने पहन की है। इसी कड़ी में पिछले माह साउथ अफ्रीका में आयोजित जलीय कृषि विषय पर प्रतिभाग करते हुए, विभिन्न जानकारी प्राप्त हुई है जिसका लाभ विश्वविद्यालय को अवश्य मिलेगा साथ ही इस सम्मेलन में प्राप्त निष्कर्ष के आधार पर वैश्विक शोध का उपयोग समाज की संपन्नता प्राप्त करने के लिए सहायक होगा।

इस अवसर पर डॉक्टर एनके शर्मा ने समस्त आयोजन समिति के सदस्यों एवं विश्वविद्यालय के कुलपति का आभार व्यक्त करते हुए उनको अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन की तरफ से बधाई प्रेषित की। उन्होंने बताया कि आज कार्यक्रम में 140 मौखिक प्रस्तुतीकरण, 07 आमंत्रित व्याख्यान जबकि दो की नोट व्याख्यान का प्रस्तुतिकरण किया गया है।

कानपु कमेट

» नेशनल मीडिया प्रे कार्यक्रम हुआ आयो

» समाज का सार्थ

कानपुर।कानपुर में सुरक्षा पर कार्य कर रही वरदान फाउंडेशन द्वारा जिला कमेटी व सदस्यों सम्मान समारोह नेशनल प्रादेशिक कार्यालय काक आयोजित किया गया। क के रुप में नेशनल मीडि

मौसम
अधिकतम तापमान 23.c
09.c न्यूनतम तापमान
बाजार
सोना 78.840g
चांदी 91.000kg
सेंसेक्स 81,053.19

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

यूपी मैसेंजर

जनता की आवाज

04 रेवड़ी संस्कृति पर चिंतन का समय, विकास कार्यों पर लग रहा ब्रेक

परम सुंदरी क्रति सेनन ने खुद क

वर्ष :10 अंक :300 लखनऊ से प्रकाशित लखनऊ, मंगलवार10 दिसम्बर 2024 पृष्ठ : 08

अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन में वैश्विक शोध पर विशेष चर्चा

कानपुर सीएसए में हो रही दो दिवसीय 12वीं अंतरराष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के गांधी हाल में युवा शोधार्थियों द्वारा लगभग 90 पोस्टर प्रस्तुत किए गए। यहां पर यह भी उल्लेखनीय है कि इस अंतरराष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन में देश से लगभग 18 राज्यों के वैज्ञानिकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। जबकि कि प्रमुख रूप से नेपाल के त्रिभुवन विश्वविद्यालय से वैज्ञानिक डॉक्टर सुशीला डी श्रेष्ठा ने भी प्रतिभाग कर मुख्य विषय पर अपने शोध पत्र साझा करते हुए उनके द्वारा अपनाई जा रही, बेस्ट प्रैक्टिसेज का प्रस्तुतीकरण किया गया। तथा उनकी बेस्ट प्रैक्टिसेज की सफलता पर उन्हें युवा सम्मान से भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सम्मेलन के संयोजक ने अवगत कराया कि कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के सहयोग से एक नॉलेज सीरीज प्लेटफार्म विकसित करने के लिए विश्वविद्यालय ने पहन की है। इसी कड़ी में पिछले माह साउथ अफ्रीका में आयोजित जलीय कृषि विषय पर प्रतिभाग करते हुए, विभिन्न जानकारी प्राप्त हुई है जिसका लाभ विश्वविद्यालय को अवश्य मिलेगा साथ ही इस सम्मेलन में प्राप्त निष्कर्ष के आधार पर वैश्विक शोध का उपयोग समाज की संपन्नता प्राप्त करने के लिए सहायक होगा। इस अवसर पर डॉक्टर एनके शर्मा ने समस्त आयोजन समिति के सदस्यों एवं विश्वविद्यालय के कुलपति का आभार व्यक्त करते हुए उनको अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन की तरफ से बधाई प्रेषित की। उन्होंने बताया कि आज कार्यक्रम में 140 मौखिक प्रस्तुतीकरण, 07 आमंत्रित व्याख्यान जबकि दो की नोट व्याख्यान का प्रस्तुतिकरण किया गया है।